The Tribune

HAU CELEBRATES 56TH YEAR OF ITS ESTABLISHMENT

VC reminisces Hisar agri varsity's role in Green & Yellow revolutions

Renovated canteen of admn building inaugurated | Diploma courses announced

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 2

A programme was organised to mark the 56th Foundation Day of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) here on Sunday.

Vice-Chancellor BR Kamboj inaugurated the event.

Kamboj, in his address, said the varsity had prepared a roadmap for future by taking inspiration from previous events.

"Every employee working at the university has played an important role in its achievements. In its 55-year history, the university has played an important role in food security at the state and national level," he said, adding that the varsity contributed to Green Revolution and Yellow Revolution.

He said the university had conferred degrees on thousands of students.

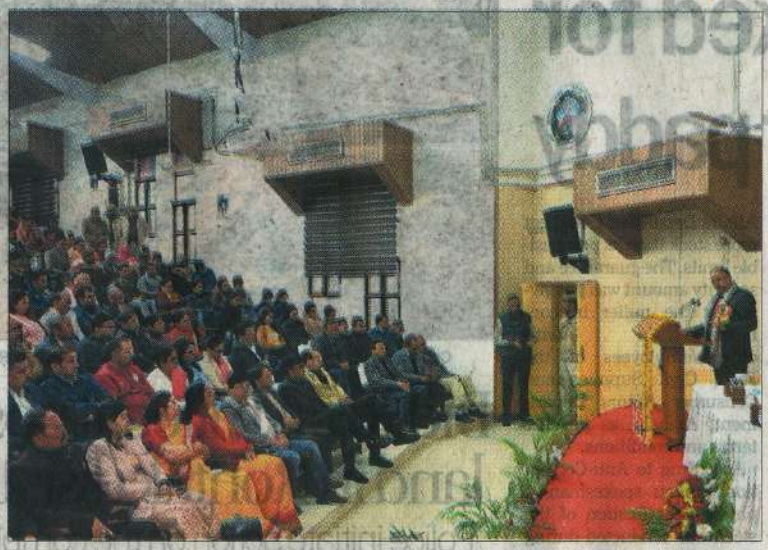

The audience is all ears as BR Kamboj, Vice-Chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, addresses the gathering. TRIBUNE PHOTO

He congratulated the scientists of the university for developing improved varieties of various crops yielding high production, models of integrated agricultural systems, modern agricultural methods, grafting methods of vegetable plants and disease-free plants through tissue culture techniques in the last year.

The VC called upon the scientists to develop agricultural methods that yielded higher profits at lower costs, and said, in future, the varsity needed to work on the development of stress-tolerant varieties suitable for less irrigated areas.

New diploma courses would soon be started at the university for skill development, he added.

He said the work of building two hostels was also in progress improve amenities for girl students of the university.

New startups in the agricultural sector were being promoted through ABIC and the innovations of the youth in rural areas were being promoted, he said.

The VC emphasised on the need to provide information related to weather and agricultural activities to farmers more effectively through information technology.

Registrar Dr Pawan Kumar said the university had achieved many achievements last year, and highlighted the direct recruitment of 49 scientists and officers and the promotion of about 70 scientists and 90 non-teaching staff.

Last year, more than 200 scientists participated in national and international-level training programmes and conferences. Earlier, the VC garlanded the statues of Chaudhary Charan Singh, Chaudhary Devi Lal and Dr Mangal Sein.

A renovated canteen at the administrative building of the varsity was inaugurated on the occasion.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	03-02-25	03	2-5

कार्यक्रम • एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी शुरू, वीसी बोले

कृषि वैज्ञानिक कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली किस्मों पर करें काम

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम किए गए। इसकी शुरुआत कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ. मंगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह कैंटीन का उद्घाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के सभागार में विशेष कार्यक्रम किया गया, जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि एचएयू ने 55 साल के इतिहास में खाद्य सुरक्षा में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई व हरित क्रान्ति के अलावा पीली क्रान्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि युवाओं में कौशल विकास के लिए एचएयू में जल्द नये डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय में छात्राओं को मूलभूत सुविधाओं और अधिक बढ़ाने के लिए दो हॉस्टल बनाने का कार्य प्रगति पर है।

एचएयू पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

एचएयू ने बीते साल की 49 वैज्ञानिकों की भर्ती

कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पवन कुमार ने कहा कि एचएयू ने पिछले वर्ष अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। इसमें मुख्यत: 49 वैज्ञानिकों व अधिकारियों की सीधी भर्तियां की गई हैं तथा करीब 70 वैज्ञानिकों व 90 गैर शिक्षक कर्मचारियों की पदोन्नति की है। गत वर्ष 200 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व सम्मेलन में भाग लिया गया।

एग्रीकल्चर साइंस, बिजनेस से संबंधित पुस्तकें प्रदर्शित

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज आदि पुस्तकें प्रदर्शित कीं।

प्रभुवाला में मेले में 600 से ज्यादा किसान पहुंचे

मंडी आदमपुर | कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा प्रभु वाला गांव में फसल अवशेष प्रबंधन व प्राकृतिक खेती पर विशाल मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में लगभग 600 से ज्यादा प्रगतिशील किसानों, युवा व महिला किसानों ने हिस्सा लिया। मेले में मुख्य अतिथि के तौर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने भाग लिया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए फसल अवशेष को न जलाने और प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के बारे में भी किसानों को जानकारी दी। उन्होंने किसानों को एक ऐसा उत्पाद तैयार करने को कहा जिसे पूरे देश में पहचान मिले। इस दौरान गांव में किसान पुस्तकालय की भी शुरुआत की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	03-02-25	03	1-4

सोमवार MONDAY 3 फरवरी 2025
हिसार केसरी

हकृवि की उपलब्धियों में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों का अहम योगदानः कुलपति

हकृवि में धूमधाम से मनाया गया 56वां स्थापना दिवस

हिसार, 2 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56 वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ मंगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह का उद्घाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया।

स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया, जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ.पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं।

प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं।

विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. काम्बोज सम्बोधित करते हुए।

विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबधंन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही।

खादय सुरक्षा में विश्वविद्यालय ने अहम भूमिका निभाई

55 साल के इतिहास में खादय सुरक्षा में विश्वविद्यालय ने प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई व हरित क्रान्ति के अलावा पीली क्रान्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्वविद्यालय से अभी तक हजारों छात्रों ने डिग्री हासिल की है व वैज्ञानिकों ने शोधार्थियों को सीखाने की परम्परा को बखूबी आगे बढ़ाया है। उन्होनें विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष में अधिक उत्पादन देने वाली विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में, समेकित कृषि प्रणाली के मॉडल, आधुनिक कृषि पद्धतियां, सब्जी के पौध की ग्राफिटिंग विधि एवं टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा रोगरहित पौध विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी।

कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आह्वान

कुलपति ने वैज्ञानिकों से कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आह्वान किया व कहा कि हमें भविष्य में कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु के प्रति सहनशील, गुणवत्तापूर्ण किस्मों पर कार्य करने की जरूरत है। भविष्य में विश्वविद्यालय को कृषि क्षेत्र में उत्पादन व गुणवता बढाने व प्रसंस्करण संबंधी और अधिक शोध करने होगें। उन्होनें बताया कि युवाओं में कौशल विकास के लिए हकृवि में जल्द ही नये डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएगें।

विश्वविद्यालय में छात्राओं कों मूलभूत सविधाओं और अधिक बढाने के लिए दो हॉस्टल बनाने का कार्य भी प्रगति पर है। एबिक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नये स्टार्टअप को बढावा मिल रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं के नवाचारों को स्वरोजगार में परिवर्तित व स्थापित करने में मदद मिल रही है, भविष्य में युवाओं को और अधिक स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सूचना तकनीक से किसानों को मौसम संबंधी, फसलों में कृषि क्रियाओं संबंधी सूचनाएं देने के कार्य को और अधिक तीव्र गति से देने पर जोर दिया।

मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	03-02-25	12	1-5

युवाओं में कौशल विकास के लिए नए डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा एचएयू

वैज्ञानिक कम लागत में अधिक मुनाफा वाली कृषि पद्धतियां करें विकसितः वीसी

एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर कम पानी में अधिक उत्पादन देने जलवायु के प्रति सहनशील गुणवत्तापूर्ण किस्मों पर काम करने का दिया संदेश

हिसार। विवि के 56वें स्थापना दिवस को संबोधित करते कुलपति प्रो. कंबोज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने वैज्ञानिकों से कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आह्वान किया है। हमें भविष्य में कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु के प्रति सहनशील, गुणवत्तापूर्ण किस्मों पर कार्य करने की जरूरत है।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज रविवार को एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय को कृषि क्षेत्र में उत्पादन व गुणवता बढाने, व प्रसंस्करण संबंधी और अधिक शोध करने होगें।

जल्द ही नए डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे

कुलपति ने स्थापना दिवस पर ऐलान किया कि युवाओं में कौशल विकास के लिए हकृवि में जल्द ही नये डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय में छात्राओं को मूलभूत सविधाओं और अधिक बढाने के लिए दो हॉस्टल बनाने का कार्य भी प्रगति पर है। एबिक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नये स्टार्टअप को बढावा मिल रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं के नवाचारों को स्वरोजगार में परिवर्तित व स्थापित करने में मदद मिल रही है, भविष्य में युवाओं को और अधिक स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सूचना तकनीक से किसानों को मौसम संबंधी, फसलों में कृषि क्रियाओं संबंधी सूचनाएं देने के कार्य को और अधिक तीव्र गति से देने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर ये बोले कुलपति

प्रो. कम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं। विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबंधन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही। अपने 55 साल के इतिहास में खाद्य सुरक्षा ने विश्वविद्यालय ने प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई व हरित क्रान्ति के अलावा पीली क्रान्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पवन कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 56वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हकृवि ने पिछले वर्ष दौरान अनेक उपलब्धियां हासिल की है जिसमें मुख्यत: 49 वैज्ञानिकों व अधिकारियों को सीधी भर्तियां की गई है तथा करीब 70 वैज्ञानिकों व 90 गैर शिक्षक कर्मचारियों की पदोन्नति की है। गत वर्ष दौरान 200 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व सम्मेलन में भाग लिया। अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद किया जबकि मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर कैपस स्कूल की निर्देशिका श्रीमति संतोष कुमारी, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से कार्यक्रम किया शुरू

हकृवि के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरूआत कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवीलाल व स्व. डॉ. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	03-02-25	04	2-5

हकृवि में मनाया गया 56वां स्थापना दिवस

हिसार, 2 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देबी लाल व स्व. डॉ मंगल सैन की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित करके की। इस अवसर पर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत कैंटीन का उद्घाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमति संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं।

हिसार में कृषि विवि के 56वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। हप्र

प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं। विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबंधन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है, इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही। विश्वविद्यालय से अभी तक हजारों छात्रों ने डिग्री हासिल की है व वैज्ञानिकों ने शोधार्थियों को सिखाने की परम्परा को बखूबी आगे बढ़ाया है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष में अधिक उत्पादन देने वाली विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में, समेकित कृषि प्रणाली के मॉडल, आधुनिक कृषि पद्धतियां, रोगरहित पौध विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी।

हकृवि में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

हिसार, 2 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कुलपति ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	03-02-25	02	1-3

एचएयू में युवाओं के लिए शुरू किए जाएंगे डिप्लोमा कोर्स : प्रो. कांबोज

विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित किए विभिन्न कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह (कैंटीन) का उद्घाटन किया।

कुलपति ने कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय में जल्द ही नए डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबंधन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही।

उन्होंने कहा कि 55 वर्ष के इतिहास में खाद्य सुरक्षा में विश्वविद्यालय ने प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई। हरित क्रांति के अलावा पीली क्रांति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष में अधिक उत्पादन देने वाली विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में, समेकित कृषि प्रणाली के मॉडल, आधुनिक कृषि पद्धतियां, सब्जी के पौध की ग्राफ्टिंग विधि और टिश्यू कल्चर तकनीक से रोगरहित पौध विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आह्वान किया।

एचएयू में स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ व विद्यार्थी। स्रोत : संस्थान

प्रदर्शनी में नई पुस्तकों व जर्नल की मिलेगी जानकारी

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कुलपति ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। उन्होंने बताया कि पुस्तक प्रदर्शनी में शोधार्थियों के लिए नवीनतम शोध तकनीक संबंधी अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल और मैग्जीन भी उपलब्ध हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	03-02-25	05	1-6

हकृवि की उपलब्धियों में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों का अहम योगदान : कुलपति

हकृवि में धूमधाम से मनाया 56वां स्थापना दिवस

हिसार, 2 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ मंगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह (कैंटीन) का उद्घाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमति संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं। प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. काम्बोज श्रोताओं को संबोधित करते हुए।

की उपलब्धियों को समझतें हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं। विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबधंन के सिद्वांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही। 55 साल के इतिहास में खादय सुरक्षा में विश्वविद्यालय ने प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई व हरित क्रान्ति के अलावा पीली क्रान्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्वविद्यालय से अभी तक हजारों छात्रों ने डिग्री हासिल की है व वैज्ञानिकों ने शोधार्थियों को सीखाने की परम्परा को बखूबी आगे बढाया है। उन्होनें विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष में अधिक उत्पादन देने वाली विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में, समेकित कृषि प्रणाली के मॉडल, आधुनिक कृषि पद्धतियां, सब्जी के पौध की ग्राफ्टिंग विधि एवं टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा रोगरहित पौध विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होनें वैज्ञानिकों से कम लागत पर अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आहवाह किया व कहा कि हमें भविष्य में कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु के प्रति सहनशील, गुणवत्तापूर्ण किस्मों पर कार्य करने की जरूरत है। भविष्य में विश्वविद्यालय को कृषि क्षेत्र में उत्पादन व गुणवता बढाने व प्रसंस्करण संबंधी और अधिक शोध करने होगें। उन्होनें बताया कि युवाओं में कौशल विकास के लिए हकृवि में जल्द ही नये डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएगें। विश्वविद्यालय में छात्राओं को मूलभूत सविधाओं और अधिक बढाने के लिए दो हॉस्टल बनाने का कार्य भी प्रगति पर है। एबिक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नये स्टार्टअप को बढावा मिल रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं के नवाचारों को स्वरोजगार में परिवर्तित व स्थापित करने में मदद मिल रही है, भविष्य में युवाओं को और अधिक स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सूचना तकनीक से किसानों को मौसम संबंधी, फसलों में कृषि क्रियाओं संबंधी सूचनाएं देने के कार्य को और अधिक तीव्र गति से देने पर जोर दिया। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ पवन कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 56वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हकृवि ने पिछले वर्ष दौरान अनेकों उपलब्धियां हासिल की है जिसमें मुख्यत: 49 वैज्ञानिकों व अधिकारियों की सीधी भर्तियां की गई है तथा करीब 70 वैज्ञानिकों व 90 गैर शिक्षक कर्मचारियों की पदोनन्ति की है। गत वर्ष दौरान 200 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व सम्मेलन में भाग लिया। अधिष्ठाता स्नाताकत्तर अध्ययन डॉ के.डी. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	02.02.2025	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

हिसार टुडे। हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने अपने 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ. मंगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में नवीनीकृत जलपान गृह (कैंटीन) का उद्घाटन किया गया और तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

विशेष कार्यक्रम व कुलपति का संबोधन :

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे और अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमती संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की 55 वर्षों की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए हमें भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी होगी। उन्होंने विश्वविद्यालय की खाद्य सुरक्षा, हरित क्रांति और पीली क्रांति में योगदान की सराहना की और वैज्ञानिकों को नई उन्नत फसल किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीकों और टिश्यू कल्चर विधियों के विकास के लिए बधाई दी।

विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. काम्बोज श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए

कम लागत में अधिक उत्पादन पर जोर

प्रो. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु अनुकूल और गुणवत्तापूर्ण फसलों के विकास पर शोध करना आवश्यक है। विश्वविद्यालय में कृषि उत्पादन, गुणवत्ता और प्रसंस्करण तकनीकों को और अधिक उन्नत बनाने के लिए अनुसंधान किया जाएगा।

कौशल विकास और स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा : कुलपति ने बताया कि युवाओं में कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय जल्द ही नए डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। छात्राओं की सुविधा के लिए दो नए हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। एबिक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार और नवाचार के अवसर मिलेंगे।

सूचना तकनीक से किसानों को मिलेगा लाभ : प्रो. काम्बोज ने बताया कि किसानों को मौसम, कृषि गतिविधियों और फसल प्रबंधन से संबंधित जानकारी तेजी से उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियां

कुलसचिव एवं कार्यक्रम आयोजक डॉ. पवन कुमार ने स्वागत भाषण में बताया कि हकृवि ने पिछले वर्ष कई उपलब्धियां हासिल की हैं

- 49 वैज्ञानिकों व अधिकारियों की नई भर्तियां की गईं।
- 70 वैज्ञानिकों और 90 गैर-शिक्षक कर्मचारियों की पदोन्नति हुई।
- 200 से अधिक वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।
- अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन डॉ. के.डी. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्रा श्वेता ने किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति : इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	02.02.2025	--	--

हकृवि में धूमधाम से मनाया 56वां स्थापना दिवस

हकृवि की उपलब्धियों में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों का योगदान : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ मंगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह (कैंटीन) का उद्घाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमति संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही। 55 साल के इतिहास में खादय सुरक्षा में विश्वविद्यालय ने प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अहम भूमिका निभाई व हरित क्रान्ति के अलावा पीली क्रान्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ पवन कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 56वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हकृवि ने पिछले वर्ष दौरान अनेकों उपलब्धियां हासिल की है जिसमें मुख्यतः 49 वैज्ञानिकों व अधिकारियों की सीधी भर्तियां की गई है तथा करीब 70 वैज्ञानिकों व 90 गैर शिक्षक कर्मचारियों की पदोनन्ति की है। गत वर्ष दौरान 200 से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व सम्मेलन में भाग लिया। अधिष्ठाता स्नाताकत्तर अध्ययन डॉ के.डी. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	03.02.2025	--	--

हकृवि की उपलब्धियों में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों का अहम योगदान : प्रो. कांबोज

जगमार्ग न्यूज

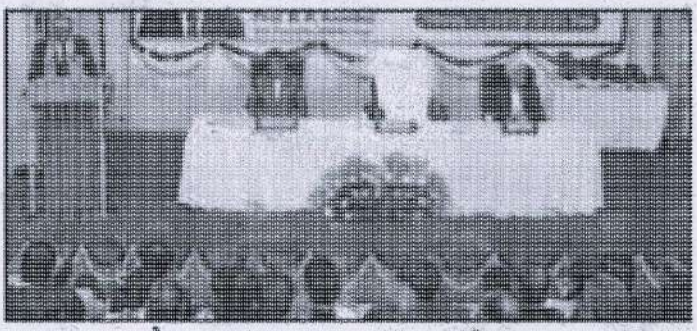

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ. मंगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यापर्ण करके की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह (कैंटीन) का उद्घाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमति संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं। प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझतें हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं। विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबधंन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	03.02.2025	--	--

हकृवि में धूमधाम से मनाया 56वां स्थापना दिवस

- कुलपति बोले, हकृवि की उपलब्धियों में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों का अहम योगदान

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 2 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी देवी लाल व स्व. डॉ मगल सैन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इस अवसर प्रशासनिक भवन की नवीनीकृत जलपान गृह (कैंटीन) का उदघाटन व तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। स्थापना दिवस पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया जिसके मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने की। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निर्देशिका संतोष कुमारी भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण।

प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस पवित्र दिन पर हमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस स्थापना दिवस पर हमें अपनी पूर्व में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने हैं। विश्वविद्यालय में काम करने वाला हर कर्मचारी व अधिकारी प्रबधंन के सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपना योगदान देता है इसलिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सभी पद के कर्मियों की अहम भूमिका रही।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	03-02-25	04	1-4

पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र : प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने नेहरू पुस्तकालय में रविवार को तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कुलपति ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती है। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है, बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है।

उन्होंने बताया कि किताबें पढने से न सिर्फ ज्ञान बढता है, बल्कि बोलने और लिखने की क्षमता में बढोतरी होती है। किताबें पढने से दूसरों की जीवन कथा व उनके संघर्ष को समझ कर व्यक्ति को अपने जीवन में सही फैसले लेने में मदद मिलती है। पुस्तक प्रदर्शनी में शोधार्थियों के लिए नवीनतम शोध तकनीक संबंधी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जरनल व मैग्जीन भी उपलब्ध है। इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के 16 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। पुस्तकाल्याध्यक्ष डा. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नालेज आदि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की फैक्लटी द्वारा चयनित की गई पुस्तकों का अधिग्रहण नेहरू पुस्तकालय में पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया जाएगा। ग

प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते हैं। सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर लोगो को सम्बोधित करते कुलपति • पीआरओ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि - भूमि	03-02-25	12	6-7

हिसार। विवि के कुलपति पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

पुस्तकें पढ़ने से मिलती मन को एकाग्रता : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। एचएयू के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।कुलपति ने रविवार को पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि किताबें पढने से न सिर्फ ज्ञान बढता है बल्कि बोलने और लिखने की क्षमता में बढोतरी होती है। किताबें पढने से दूसरों की जीवन कथा व उनके संघर्ष को समझ कर व्यक्ति को अपने जीवन में सही फैसले लेने में मदद मिलती है। मनपसंद किताबें पढनें से तनाव कम होता है और ज्ञान बढता है। पुस्तकें व्यक्ति की याद रखने की क्षमता को भी बढाती है। उन्होनें बताया कि पुस्तक प्रदर्शनी में शोधार्थियों के लिए नवीनतम शोध तकनीक संबंधी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जर्नल व मैग्जीन भी उपलब्ध हैं। इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के 16 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं।

पुस्तकाल्याध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की फैकल्टी द्वारा चयनित की गई पुस्तकों का अधिग्रहण नेहरू पुस्तकालय में पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	03-02-25	09	7-8

हकृवि में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

हिसार, 2 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया ।

कुलपति ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं।

इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकाल्याध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	02.02.2025	--	--

हकृवि में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कुलपति ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। उन्होनें बताया कि किताबें पढने से न सिर्फ ज्ञान बढता है बल्कि बोलने और लिखने की क्षमता में बढोतरी होती है। किताबें पढने से दूसरों की जीवन कथा व उनके संर्घष को समझ कर व्यक्ति को अपने जीवन में सही फैसले लेने में मदद मिलती है। इस पुस्तक प्रदर्शनी में देश के 16 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। पुस्तकाल्याध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	03-02-25	05	1-3

किसानों के लिए यह बजट वरदान साबित होगा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 2 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि केन्द्र सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए बजट में किसान हितेषी अनेक बड़ी घोषणाएं की हैं। उन्होंने बताया कि मसूर, तुअर (अरहर) व उड़द जैसी दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने एवं राष्ट्र को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 6 साल का एक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। भारत सरकार की एजेंसीज के द्वारा इन तीन फसलों की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। सब्जियों व फ़लों का उत्पादन बढ़ाने और किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए व्यापक कार्यक्रम शुरू किए

प्रो. बी. आर. काम्बोज।

जाएंगे। कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए 5 साल का मिशन बनाया जाएगा, जिससे देश के कपड़ा उद्योग को और अधिक मजबूती मिलेगी। किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट को 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया है। प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि सरकार के इस कदम से किसानों को बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि उपकरण एवं उत्पादन आवश्यकताओं के लिए नकदी निकालने में बड़ी राहत मिलेगी। स्टार्टअप के लिए ऋण की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया जाएगा जिससे युवाओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने में मदद मिलेगी। अनुसूचित जाति और जन जाती की महिलाओं को नया उद्योग सथापीत करने के लिए 2 करोड़ टर्म लोन दिया जाएगा। यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के लिए नया प्लांट लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री धन्य कृषि योजना में 100 जिलों को चिन्हित किया गया है उन जिलों के 1.7 करोड़ किसानों को फ़ायदा मिलेगा। यह बजट किसानों के लिए वरदान साबित होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	03-02-25	02	1-4

मुलेठी की खेती कर किसान कम उपजाऊ जमीनों से भी कमा सकते हैं अधिक लाभ

ढाई से तीन साल में तैयार होती है मुलेठी, 100 रुपये किलोग्राम तक बिकती है

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। किसान बलुई-दोमट क्षेत्रों में मुलेठी की खेती करके अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। मुलेठी मुख्य रूप से खांसी, सर्दी और जुकाम की दवाइयां बनाने में प्रयोग की जाती है। यह खून की उल्टी में उपयोगी होती है। बुद्धिवर्धन में सहायक होने के साथ ही, एनीमिया, दमा, टीबी और खांसी आदि रोगों में भी मुलेठी प्रयोग की जाती है।

प्रो. बीआर कांबोज
एचएयू, कुलपति

उद्योग जगत में इसका अल्कोहल बनाने, यीस्ट कल्चर तैयार करने तथा की टा णु ना श क औषधियों में प्रयोग किया जाता है। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि इसके अलावा मुलेठी का उपयोग कम ऊर्जा वाले भोजन, चाकलेट, बीयर व कैंडी आदि बनाने में भी किया जाता है। औषधीय फसलों की खेती करके किसान कम उपजाऊ जमीनों से भी अधिक लाभ कमा सकते है।

मुलेठी की पौध व टुकड़े। फाइल फोटो।

जड़ों की पैदावार

मुलेठी की फसल से, ढाई से तीन साल बाद 25-30 क्विंटल सूखी जड़ें एक एकड़ से प्राप्त की जा सकती हैं जो कि 100 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बेच सकते हैं।

- *इसके प्रमुख खरीदार डाबर, झंडू, वैद्यनाथ, हमदर्द, पतंजलि आदि फार्मेसी कंपनी हैं।*

अभी चल रहा मुलेठी के लिए उपयुक्त समय

एमएपी सेक्शन के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य ने बताया कि मुलेठी की बिजाई का उत्तम समय 15 जनवरी से 15 फरवरी तक है। बिजाई के लिए मुलेठी की जड़ों को लगभग 9 इंच लंबी कलम काटकर ढाई से तीन फुट की दूरी पर लाइन में लगाएं। लाइनों की आपसी दूरी भी ढाई से तीन फुट और लाइन में कलमों की आपसी दूरी एक फुट रखें। जड़ों को 2-3 इंच मिट्टी में दबा दें और सुहागा लगाकर हल्की सिंचाई कर दें। जरूरत अनुरूप सिंचाई करने से पैदावार बढ़ती है। पहले साल मुलेठी में 2-3 निराई-गुड़ाई करके खरपतवार जरूर निकालें। जड़ों की खोदाई से 8-10 दिन पहले खेत में हल्का पानी लगा दें व जब खेत खोदाई करने योग्य हो जाए तब ढाई से तीन साल बाद डेढ़ से दो फुट गहरा खोदकर जड़ों को निकालें। इसके लिए हैरो के बाद कल्टीवेटर का प्रयोग कर जड़ों को इकट्ठा कर लें। इस प्रकार 2-3 बार में, ज्यादातर जड़ें निकल आती है। जड़ों को फर्श पर फैलाकर छाया में सुखाए। जब जड़ों में नमी 10 प्रतिशत से अधिक न हो तब बोरियों में डालकर सुरक्षित स्टोर में रखें जहां नमी न हो।

ऐसे करें मुलेठी की खेती

मुलेठी एक बहुवर्षीय, झाड़ीदार पौधा होता है। जिसकी ऊंचाई डेढ़ से दो मीटर होती है। इसकी जड़े लंबी व मूसलादार होती हैं, जिससे अन्य शाखाएं निकलती हैं। इसकी जड़े बाहर से लाल और ऊपर से हल्की पीली होती हैं। मुलेठी की खेती के लिए जल निकास वाली बलुई-दोमट से दोमट मिट्टी अच्छी रहती है।

- भूमि की पोषकता के लिए 10-12 टन गोबर की खाद प्रति एकड़ के हिसाब से डालकर खेत तैयार करें। हरियाणा मुलेठी नं-1 किस्म की 100-120 किलोग्राम ताजा जड़े (लगभग 12000-15000 कलम) प्रति एकड़ के हिसाब से लगाएं।